मीडिया विज्ञप्ति

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII) ने आयोजित किया अपना 23वां दीक्षांत समारोह

- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के एमडी एवं सीईओ श्री आशीष कुमार चौहान इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे
- 78 छात्रों को फैलो और डिप्लोमा से सम्मानित किया गया

अहमदाबाद, 19 जून, 2024: भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स' के रूप में मान्यता प्राप्त भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII), अहमदाबाद ने 19 जून 2024 को अपने 23वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर 78 छात्रों को डिप्लोमा और फैलो से सम्मानित किया गया, इनमें से 74 छात्रों को पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा और 4 को फैलो दिया गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के एमडी एवं सीईओ श्री आशीष कुमार चौहान इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। श्री आशीष कुमार ने ग्रेजुएट छात्रों को स्कॉलेस्कि मैडल से सम्मानित किया तथा सभा को सम्बोधित भी किया।

डॉ सुनील शुक्ला, महानिदेशक, EDII ने माननीय मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता EDII के अध्यक्ष श्री राकेश शर्मा, एमडी एवं सीईओ, आईडीबीआई बैंक लिमिटेड द्वारा की गई। डॉ सुनील शुक्ला, महानिदेशक, EDII और बोर्ड सदस्य, श्री अनिंदय सुंदर पॉल, चीफ़ जनरल मैनेजर (एसएमई और सप्लाई चेन फाइनैंस), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया; डॉ मिलिंद कांबले, संस्थापक, चेयरमैन, दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री; श्री अनिल भारद्वाज, महासचिव, भारतीय लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमों के संघ तथा डॉ ओ.पी. गोयल, चीफ़ एक्ज़क्टिव ऑफिसर के अडवाइज़र, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि श्री आशीष कुमार चौहान ने ग्रेजुएट छात्रों को बधाई दी और कहा कि आने वाले वाले समय में ढेरों अवसर उनका इंतज़ार कर रहे हैं। उन्हें उत्सुकता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा, ''''आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, चौथा सबसे बड़ा पूंजी बाज़ार और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप हब है। उद्यमिता का तात्पर्य सिर्फ कारोबार शुरू करने और इसका संचालन करने से ही नहीं बल्कि यह ऐसी सोच को अपनाने के बारे में है, जो चुनौतियों का स्वागत करे, मूल्यों एवं रचनात्कता को महत्व दे और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सके। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दृष्टिकोण के अनुसार उद्यमिता, विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगी। मैं छात्रों को उद्यमिता में करियर बनाने के लिए बधाई देता हूं और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।'

मुख्य अतिथि ने अपनी बात समाप्त करते हुए छात्रों को सलाह दी कि उन्हें अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने चाहिए और बदलते रूझानों के साथ हमेशा तैयार रहना चाहिए।

EDII के अध्यक्ष श्री राकेश शर्मा ने कहा, '' EDII ने अपना 42 स्थापना दिवस मनाया है। 20 अप्रैल 1983 को स्थापना के बाद अपनी चार दशकों की यात्रा में संस्थान ने बहुत लम्बी दूरी तय की है। संस्थान हमेशा से उद्यमिता को प्राथमिकता देता रहा है और छात्रों को सिखाता रहा है कि विकास के पथ पर बढ़ने के लिए अनुशासन को अपनाना बहुत ज़रूरी है। आज उद्यमिता के विकास में नियमित रूप से चर्चा, विचार-विमर्श और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं, जो एमएसएमई को सशक्त बनाने, स्टार्ट-अप्स एवं इनोवेशन्स को बढ़ावा देने में कारगर हैं। ये सभी चर्चाएं इस तथ्य पर आधारित हैं कि उद्यमियों को प्रशिक्षित और विकसित किया जा सकता है। अच्छी बात यह है कि आज समाज भी इसे बड़े पैमाने पर स्वीकार करता है; नेशनल-इंटरनेशनल स्तर की ज़्यादातर युनिवर्सिटियां उद्यमिता पर कोर्सेज़ पेश करती हैं। हम यह भी देख रहे हैं कि छात्रों का झुकाव आकर्षक पैकेज के बजाए अपने स्टार्ट-अप शुरू करने की तरफ़ बढ़ रहा है।'' अध्यक्ष श्री शर्मा ने उद्यमिता के चुनाव के लिए छात्रों को बधाई दी।

EDII के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला ने माननीय अतिथि एवं अन्य मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने पिछले 4 दशकों के दौरान उद्यमिता को बढ़ावा देने में EDII की प्रतिबद्धता पर रोशनी डाली। डॉ शुक्ला ने कहा, 'भारतीय उद्यमिता संस्थान ने उद्यमिता, अनुसंधान एवं पॉलिसी एडवोकेसी, इनोवेशन्स, कौशल, एसएमई के विकास, आजीविका तथा समावेशन और इन्क्यूबेशन को बढ़ावा देने के लिए कार्य किया है। सरकारी मंत्रालयों, राज्य सरकारों, विकास एवं बहु-आयामी एजेंसियों तथा जाने-माने कॉर्पोरेट्स के सहयोग से संस्थान की परियोजनाओं ने कौशल में सुधार, उद्यमों की स्थापना, राजस्व सृजन एवं रोज़गार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देकर देश भर में उद्यमिता को सशक्त बनाया है। अपनी क्षमता एवं अनुभव का उपयोग करते हुए भारतीय उद्यमिता संस्थान, उद्यमिता के अनूठे मॉडलों के साथ देश-विदेश में अधिक से अधिक क्षेत्रों तक सफलतापूर्वक पहुंचा है।'

कार्यक्रम का समापन EDII के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मेधावी छात्रों को पुरस्कार और सम्मान

- दहयाभाई छोटालाल चैरिटी फाउन्डेशन (रेमिक) स्पॉन्सर्ड गोल्ड मैडल, न्यू एंटरप्राइज़ क्रिएशन में स्कॉलेस्टिक परफोर्मेन्स के लिए -प्रणव लोहिया
- दहयाभाई छोटालाल चैरिटी फाउन्डेशन (रेमिक) स्पॉन्सर्ड सिल्वर मैडल, न्यू एंटरप्राइज़ क्रिएशन में स्कॉलेस्टिक परफोर्मेन्स के लिए -विनोथिनी चन्द्रकृष्णन
- दहयाभाई छोटालाल चैरिटी फाउन्डेशन (रेमिक) स्पॉन्सर्ड सिल्वर मैडल, फैमिली बिज़नेस मैनेजमेन्ट में स्कॉलेस्टिक परफोर्मेन्स के लिए -अनुज अग्रवाल
- बेस्ट स्पोर्ट्समैन, 2022-24, समीर रिचावारा
- बेस्ट स्पोर्ट्सवुमेन, 2022-24, उन्नति दिलिप गोपलानी

EDII प्रेज़ीडेन्ट्स एल्युमनस अवॉर्ड 2024

- EDII प्रेज़ीडेन्ट्स एल्युमनस अवॉर्ड 2024- बिज़नेस एंटरेप्रेन्योर, श्री अभिषेक मोरे (पीजीडीबीईएम, 1998-1999)
- EDII प्रेज़ीडेन्ट्स एल्युमनस अवॉर्ड 2024- सोशल एंटरेप्रन्योरः श्री रमेश चन्द्रा जेना (पीजीडीबीईएम-एनजीओ मैनेजमेन्ट, 1998-1999)
- EDII प्रेज़ीडेन्ट्स एल्युमनस अवॉर्ड 2024- स्पेशल जूरी अवॉर्ड फॉर एमर्जिंग एंटरेप्रेन्योरः श्री गौरव अग्रवाल (पीजीडीबीईएम, 2006-2007)
- EDII प्रेज़ीडेन्ट्स एल्युमनस अवॉर्ड 2024- स्पेशल जूरी अवॉर्ड फॉर एमर्जिंग एंटरेप्रेन्योरः श्री पृथ्वीभूषण देका (पीजीडीएमएन, 2001-2002)

About Entrepreneurship Development Institute of India (EDII)

The Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad was set up in 1983 as an autonomous and not-for-profit Institute with support of apex financial institutions - the IDBI Bank Ltd., IFCI Ltd., ICICI Bank Ltd. and State Bank of India (SBI). The Government of Gujarat pledged twenty-three acres of land on which stands the majestic and sprawling EDII Campus. EDII has been recognized as the CENTRE OF EXCELLENCE by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, Govt. of India. The Institute has also been listed as the Institute of National Importance by the Education Department, Govt. of Gujarat. For more information visit: www.ediindia.org